श्री प्यारीमोहन महापात्र (ओडिशा): सर, मैं श्री बनर्जी के मेंशन से एसोसिएट करता हूं ।

श्री आनंद भास्कर रापोलू (तेलंगाना): सर, मैं श्री बनर्जी के मेंशन से स्वंय को एसोसिएट करता हूं ।

SHRI TAPAN KUMAR SEN (West Bengal): Sir, I associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SHRI D. RAJA (Tamil Nadu): Sir, I associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SHRI SATISH CHANDRA MISRA (Uttar Pradesh): Sir, I associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SHRI K.C. TYAGI (Bihar): Sir, I associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SHRI DEREK O'BRIEN (West Bengal): Sir, I associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SHRIMATI VIPLOVE THAKUR (Himachal Pradesh): Sir, I associate myself with the matter raised by the hon. Member.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: All the names to be added to the list.

Serious problem of flood in eastern Bihar due to release of water from dam in Nepal

श्री प्रमोद तिवारी (उत्तर प्रदेश): डिप्टी चेयरमैन सर, मैं आपके माध्यम से एक अंत्यत महत्वपूर्ण और चिंताजनक विषय की ओर सरकार का और सदन का, ध्यान आकर्षित करना चाहता हूँ । कोसी नदी का उद्गम स्थल नेपाल है और नेपाल में यह जो कोसी नदी का उद्गम स्थल है, वहां पर लैंड स्लाइड्स की वजह से एक बड़ी झील सी बन गई है, जिसमें लगभग 27 लाख क्यूबेक टन पानी इकट्ठा हो गया है। मान्यवर, वह अब एक झील नहीं रह गई है, वह एक तरह से वाटर बम हो गई है और जरा सी भी ज्यादा बारिश हुई, तो उसके पानी से नीचे बिहार के नौ जिले पूरी तरह तबाही और बरबादी की तरफ बढ़ जाएंगे । एक तरीके से पूरे पूर्वांचल के लिए यह एक वाटर बम की तरह से नेपाल में है । सौभाग्य है कि गत दो-तीन दिनों से बारिश नहीं हुई है और जो एक नार्मल पैसेज है उसके थ्रू पानी निकालने की कोशिश की जा रही है। वहां जल स्थिर है, लेकिन अगर जरा सी भी बारिश हो गई या जरा भी स्थिति में फर्क हुआ, तो जैसे पहले यह सुचना आई थी कि वे उस बाधं को उड़ा देंगे, जिससे वे नेपाल को बचा सकें । उसको बचाने के लिए पूरे बिहार को कुर्बान और तबाह किया जा रहा है । वहां से कुछ लोगों को आपने हटाया है, लेकिन मैं समझता हूँ कि वह पर्याप्त नहीं है । आपके माध्यम से मैं केंद्र सरकार से यही जानना चाहता हूँ कि इस आने वाली विभिषिका से बचने के लिए आप क्या साधन दे रहे हैं, क्या रास्ते दे रहे हैं?

[श्री प्रमोद तिवारी]

मान्यवर, मैं यह जरूर विनम्रतापूर्वक जानना चाहता हूँ कि माननीय प्रधान मंत्री जी वहां गए थे, दर्शन करके आए हैं, प्रधान मंत्री जी वहां पर बहुत कुछ करके आए हैं, लेकिन क्या इस विषय को उन्होंने नेपाल सरकार से आने वाली नदियां जो उत्तर प्रदेश और बिहार को आती हैं, हर वर्ष यहां लोग तबाह और बरबाद होते हैं, मैं सरकार से जानना चाहता हूँ कि क्या इस विषय को माननीय प्रधान मंत्री जी ने नेपाल सरकार के सामने उठाया या नहीं उठाया अगर यह वाटर गम फटा तो सरकार ने क्या व्यवस्था की है ? उत्तराखंड की तबाही और बरबादी हमने देखी है । मैं समझता हूँ कि आपकी तरफ से जरूर सरकार को निर्देश देना चाहिए, क्योंकि लाखों लोगों की जिंदगी का सवाल है । इसे सरकार को गंभीरता से लेना चाहिए, ताकि जो चिंता का वातावरण है उससे अलग हट सकें । सिर्फ पूजा करके आए होगें, तो उससे काम चलने वाला नहीं है । कुछ आगे इंतजाम भी करना पड़ेगा ।

मैं सरकार से आपके माध्यम से निवेदन करना चाहूंगा कि यह जो वाटर बम 27 लाख क्यूबेक टन का हमारे सिर पर मंडरा रहा है, उससे बचने के लिए क्या रास्ता ढूंढा जा रही है, उससे सदन को अवगत कराएं । धन्यवाद ।

श्री के.सी. त्यागी (बिहार): सर, मैं एसोसिएट करता हूँ ।

प्रो. जोगेन चौधरी (पश्चिमी बंगाल): सर, मैं भी एसोसिएट करता हूँ ।

श्री अरविन्द कुमार सिंह (उत्तर प्रदेश): सर, मैं भी एसोसिएट करता हूँ ।

श्री विशम्भर प्रसाद निषाद (उत्तर प्रदेश): सर, मैं भी एसोसिएट करता हूँ ।

SHRI ANAND SHARMA (Rajasthan): Sir, I associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SHRIMATI VIPLOVE THAKUR (Himachal Pradesh): Sir, I also associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SHRI RITABRATA BANERJEE (West Bengal): Sir, I also associate myself with the matter raised by the hon. Member.

श्रीमती कहकशां परवीन (बिहार): सर, मैं भी एसोसिएट करती हूँ ।

श्री मोहम्मद अदीब (उत्तर प्रदेश): सर, मैं भी एसोसिएट करता हूँ ।

कुछ माननीय सदस्य : सर, हम भी एसोसिएट करते हैं ।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The names of those who associate will be added. Now, Shri Anil Desai; not present.